Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 06 अक्तूबर, 2021

‘ज़िरकॉन’ हाइपरसोनिक क्रूज़ मिसाइल

हाल ही में रूस ने पहली बार पनडुब्बी के माध्यम से ‘ज़िरकॉन’ हाइपरसोनिक क्रूज़ मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। इस हाइपरसोनिक क्रूज़ मिसाइल का परीक्षण ‘सेवेरोडविंस्क पनडुब्बी’ के माध्यम से ‘बैरेंट्स सागर’ में किया गया था। इससे पूर्व ‘ज़िरकॉन’ हाइपरसोनिक क्रूज़ मिसाइल का परीक्षण नौसेना के युद्धपोत पर किया जा चुका है और यह पहली बार है जब इसका परीक्षण पनडुब्बी के माध्यम से किया गया है। इस संबंध में रूस द्वारा जारी आधिकारिक सूचना के मुताबिक, ‘ज़िरकॉन’ हाइपरसोनिक मिसाइल ध्वनि की गति से नौ गुना तेज़ उड़ान भरने में सक्षम है और इसकी रेंज 1,000 किलोमीटर (620 मील) तक है। इस हाइपरसोनिक मिसाइल की तैनाती रूस की सैन्य क्षमता में महत्त्वपूर्ण वृद्धि करती है। रूस के मुताबिक, ‘ज़िरकॉन’ मिसाइल प्रणाली के सभी परीक्षण इस वर्ष के अंत तक पूरे हो जाएंगे और इसे वर्ष 2022 तक रूसी नौसेना में कमीशन कर दिया जाएगा। ‘ज़िरकॉन’ मिसाइल का उद्देश्य रूसी क्रूज़र, फ्रिगेट और पनडुब्बियों के बेड़ों को सशक्त बनाना है। यह रूस में विकसित की जा रहीं कई हाइपरसोनिक मिसाइलों में से एक है।

व्यापक हस्तशिल्प क्लस्टर विकास योजना

वस्त्र मंत्रालय ने 160 करोड़ रुपए के कुल परिव्यय के साथ ‘व्यापक हस्तशिल्प क्लस्टर विकास योजना’ (CHCDS) को जारी रखने की मंज़ूरी दी है। यह योजना मार्च 2026 तक जारी रहेगी। इस योजना के तहत हस्तशिल्प कारीगरों को बुनियादी ढाँचागत सहायता, बाज़ार तक पहुँच, डिज़ाइन एवं प्रौद्योगिकी उन्नयन से जुड़ी सहायता आदि प्रदान की जाएगी। इस योजना का उद्देश्य ऐसा विश्व स्तरीय बुनियादी ढाँचा तैयार करना है, जो उत्पादन एवं निर्यात को बढ़ावा देने हेतु स्थानीय कारीगरों व लघु एवं मध्यम उद्यमों (SME) की व्यावसायिक आवश्यकताओं को पूरा करता हो। संक्षेप में इन समूहों को स्थापित करने का मुख्य उद्देश्य कारीगरों और उद्यमियों को आधुनिक बुनियादी ढाँचे, नवीनतम प्रौद्योगिकी व पर्याप्त प्रशिक्षण तथा मानव संसाधन विकास इनपुट, मार्केट लिंकेज एवं उत्पादन संबंधी विविधीकरण के साथ जुड़ाव युक्त विश्वस्तरीय इकाइयाँ स्थापित करने में सहायता करना है। इसके तहत लागत में कमी सुनिश्चित करने के लिये अलग-अलग जगहों के कारीगरों के बीच समन्वय और उन्हें हस्तशिल्प क्षेत्र के लघु एवं मध्यम उद्यमों (SME) से जोड़ने पर भी ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इस योजना के तहत समग्र विकास के लिये 10,000 से अधिक कारीगरों वाले बड़े हस्तशिल्प समूहों का चयन किया जाएगा।

करंट लगने से हाथियों की मृत्यु रोकने हेतु पहल

ओडिशा सरकार ने विद्युत नेटवर्क की ग्राउंड क्लीयरेंस बढ़ाने और हाथी गलियारों तथा उनके आवाजाही क्षेत्रों में तारों को बदलने के लिये वितरण कंपनियों को 445.75 करोड़ रुपए आवंटित किये हैं। इस परियोजना का उद्देश्य बिजली के झटकों के कारण होने वाली हाथियों की मृत्यु को रोकना है। राज्य के ऊर्जा विभाग के मुताबिक, राज्य में 79,000 इंटरपोज़िंग पोल लगाए गए हैं और 2,300 से अधिक सर्किट कंडक्टरों को कवर किया गया है। हाथियों के संरक्षण की दिशा में काम कर रहे पर्यावरण समूह- ‘वाइल्डलाइफ सोसाइटी ऑफ ओडिशा’ (WSO) के मुताबिक, अप्रैल 2010 से अगस्त 2021 के बीच 862 हाथियों की मृत्यु हुई थी, जिसमें से तकरीबन 135 (16%) हाथियों की मौत बिजली के झटकों के कारण हुई थी। जानकारों के मुताबिक, यदि बिजली वितरण कंपनियों द्वारा आवश्यक सुरक्षा उपकरण इनस्टॉल किये जाते हैं तो हाथियों को बिजली के झटकों से बचाया जा सकता था।

विश्व शिक्षक दिवस

दुनिया भर में शिक्षकों और उनके अधिकारों तथा दायित्त्वों को रेखांकित करने हेतु प्रतिवर्ष 5 अक्तूबर को ‘विश्व शिक्षक दिवस’ का आयोजन किया जाता है। ‘विश्व शिक्षक दिवस’ का उद्देश्य दुनिया भर में शिक्षकों की सराहना करना उनके महत्त्व के बारे में लोगों को जागरूक करना है। यूनेस्को द्वारा इस दिवस को शिक्षकों एवं शिक्षण से संबंधित मुद्दों पर विचार करने और उन्हें संबोधित करने के अवसर के रूप में देखा जाता है। विश्व शिक्षक दिवस-2021 की थीम है- 'शिक्षा सुधार के केंद्र में शिक्षक'। संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) ने वर्ष 1994 में 5 अक्तूबर को ‘विश्व शिक्षक दिवस’ के रूप में घोषित किया और तब से यह दिन प्रतिवर्ष 5 अक्तूबर को वैश्विक स्तर पर आयोजित किया जाता है। ध्यातव्य है कि बच्चों को उनकी सीखने की प्रक्रिया में सहायता करने हेतु पूरे देश में शिक्षकों ने महामारी के दौरान महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-06-october-2021